विश्व शांति दिवस अथवा 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस'

दिनांक 21 सितंबर, 2024 को कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय में विश्व शांति दिवस मनाया गया। जिसमें सभी विद्यार्थी और प्राध्यापक उपस्थिति रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ प्रोफेसर ओ.पी.जांगिड़ ने भौतिक युग में शांति की आवश्यकता और महत्व पर अपने जीवन के अनुभवों को सांझा किया . यह दिवस सभी देशों और लोगों के बीच स्वतंत्रता, शांति और खुशी का एक आदर्श माना जाता है। 'विश्व शांति दिवस' मुख्य रूप से पूरी पृथ्वी पर शांति और अहिंसा स्थापित करने के लिए मनाया जाता है। शांति सभी को प्यारी होती है। इसकी खोज में मनुष्य अपना अधिकांश जीवन न्यौछावर कर देता है। किंतु यह काफ़ी निराशाजनक है कि आज इंसान दिन-प्रतिदिन इस शांति से दूर होता जा रहा है। आज चारों तरफ़ फैले बाज़ारवाद ने शांति को व्यक्ति से और भी दूर कर दिया है। पृथ्वी, आकाश व सागर सभी अशांत हैं। स्वार्थ और घृणा ने मानव समाज को विखंडित कर दिया है। यूँ तो 'विश्व शांति' का संदेश हर युग और हर दौर में दिया गया है, लेकिन इसको अमल में लाने वालों की संख्या बेहद कम रही है। तथा शांति के साथ जीवन - यापन करने की सभी से अपील की।इस अवसर पर प्रो. शिवम चतुर्वेदी, डॉ.उमा सैनी, डॉ.मिलन वर्मन,सहायक आचार्य राजेश,राजेंद्र प्रसाद ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ.कुलराज व्यास ने किया तथा कार्यक्रम की समाप्ति पर अधिष्ठाता डॉ.कैलाश पारीक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।